



घूँघट की बग़ावत

प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष : 25 अंक : 11

गोरखपुर, 07 सितम्बर 2025 रविवार

पृष्ठ : 4

मूल्य : 2

पीएम मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों से की बात, यूक्रेन समेत वैश्विक शांति पर मंथन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत की और भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों तथा यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र अंत पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी ने कहा कि उन्होंने दोनों पक्षों के साथ यूक्रेन में चल रहे युद्ध सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, संघर्ष के शीघ्र समाधान के महत्व को रेखांकित किया तथा शांति और कूटनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

वार्ता को बहुत अच्छे बताते हुए मोदी ने कहा कि नेताओं ने प्रमुख क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और रक्षा और अंतरिक्ष से लेकर जलवायु कार्रवाई और प्रौद्योगिकी तक सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का आकलन किया। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, रश्यापूत पि मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की

मुख्यमंत्री भगवंत मान अस्पताल में भर्ती, फोर्टिस से अब आया सीएम का हेल्थ अपडेट

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पिछले दो दिनों से स्वास्थ्य खराब होने के बाद शुक्रवार को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, मुख्यमंत्री पिछले दो दिनों से अस्वस्थ थे और पेट में संक्रमण के साथ-साथ बुखार से भी पीड़ित थे। उनकी हालत में कोई सुधार न होने पर, चिकित्सा विशेषज्ञों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। 51 वर्षीय मान को शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ डॉक्टरों की एक टीम उनके स्वास्थ्य पर कड़ी नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन अगली चिकित्सीय सलाह तक उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। मान के कार्यालय ने अभी तक उनके डिस्चार्ज या आगे के उपचार की योजना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। उनकी बीमारी की खबरों के बाद, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। केजरीवाल बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए बुधवार शाम पंजाब पहुँचे थे और मुख्यमंत्री के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले थे। हालाँकि, मान के अस्वस्थ होने के कारण, उन्होंने गुरुवार को कपूरथला जिले के सुल्तानपुर लोधी में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। यह पहली बार नहीं है जब मान को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा हो। एक साल पहले, उन्हें जीवाणु संक्रमण का पता चला था और कई दिनों तक फोर्टिस मोहाली में भर्ती रहे थे। इससे पहले, पंजाब कैबिनेट की बैठक, जिसकी अध्यक्षता मान करने वाले थे, उनकी बीमारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। बैठक में राज्य भर में राहत और बचाव कार्यों पर चर्चा होने की उम्मीद थी, जो बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। पंजाब व्यापक बाढ़ से जूझ रहा है और गुरुवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 हो गई।

बाढ़ से जूझ रहे राज्यों का दौरा करेंगे पीएम मोदी, लेंगे हालात का जायजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा कर हालात का जायजा लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने गत शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारी बारिश से उत्तर भारत के कई राज्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भारी बारिश और बाढ़ से सड़कों और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुँचा है तथा जनहानि भी हुई है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि मोदी इनमें से कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे और हालात का जायजा लेंगे। उनका दौरा ऐसे वक हो रहा है जब कुछ राज्य सरकारों ने संकट से निपटने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग की है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, 20 जून से अब तक 355 मौतों के साथ हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है, इमारतें ढह गई हैं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा बह गया है, जिससे यह पहाड़ी राज्य वर्षों में अपने सबसे विनाशकारी मानसून से जूझ रहा है। ब्यास, सतलुज, रावी और घग्गर जैसी नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे पंजाब में व्यापक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। भाखड़ा, पौंग और रंजीत सागर सहित प्रमुख बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़े जाने से संकट और बढ़ गया है। सभी 23 जिलों के लगभग 1,650 गाँव जलमग्न हैं, जिससे 1.75 लाख एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और धान की फसलें नष्ट हो गई हैं। सर्वाधिक प्रभावित जिलों में गुरदासपुर शामिल है, जहाँ 1.45 लाख निवासी प्रभावित हैं, इसके बाद अमृतसर, फिरोजपुर और फजिल्का का स्थान आता है।



समीक्षा की और उसका सकारात्मक मूल्यांकन किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। पिछले महीने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रम्प की अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेन्स्की के साथ वार्ता के दौरान उपस्थित यूरोपीय नेताओं में मैक्रों भी शामिल थे। मोदी-मैक्रों की यह वार्ता फ्रांसीसी राष्ट्रपति द्वारा गुरुवार को पेरिस शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में आशवासन बल तैनात करने की योजना की घोषणा के दो दिन बाद हुई।

फ्रांस 24 के अनुसार, मैक्रों द्वारा आयोजित पेरिस शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने भाग लिया, जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर सहित कई नेताओं ने दूरस्थ रूप से इसमें भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इमैक्ट शिखर सम्मेलन के निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया और कहा कि वह भारत में फ्रांसीसी राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए संपर्क में बने रहने तथा मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

राजस्थान में रेड अलर्ट, दिल्ली और पंजाब में बाढ़ का खतरा



भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वी राजस्थान और गुजरात के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में शनिवार तक भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी, जिससे अचानक बाढ़ और जलभराव की चिंता बढ़ गई है। यह अलर्ट पश्चिमी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा के कुछ हिस्सों के लिए भी जारी है, जहाँ भी भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में और बारिश की भविष्यवाणी की है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान सहित कई राज्यों में 10 सितंबर तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहेगी।

जयपुर। राजस्थान में मानसून की मूसलाधार बारिश का दौर जारी है और मौसम विभाग ने शनिवार व रविवार को राज्य के अनेक जिलों में अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी (रेड अलर्ट) जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार कम दबाव का एक क्षेत्र (डब्ल्यूएमएल) आज दक्षिण पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना हुआ है।

उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में व्यापक रूप से भारी बारिश जारी है, और शनिवार तक भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी, जिससे अचानक बाढ़ और जलभराव की चिंता बढ़ गई है। यह अलर्ट पश्चिमी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा के कुछ हिस्सों के लिए भी जारी है, जहाँ भी भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में और बारिश की भविष्यवाणी की है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान सहित कई राज्यों में 10 सितंबर तक मध्यम से भारी बारिश जारी रहेगी।

'नया भारत' अपनी विदेश नीति खुद तय करेगा, कोई और नहीं: फडणवीस

पुणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि कोई भी देश भारत की विदेश नीति तय नहीं कर सकता। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को बेहद खास रिश्ता बताया था और कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा था कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महान हैं और दूसरे देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी उन्हें महान मानते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी का नया भारत है और यह अपनी विदेश नीति खुद तय करता है। कोई भी हमारी विदेश नीति तय नहीं कर सकता। अगर कोई हमारे साथ नहीं भी आता है, तो भी हम 'विकसित भारत' बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-अमेरिका संबंधों की पुष्टि पर गर्मजोशी से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह



अमेरिकी राष्ट्रपति की भावनाओं और द्विपक्षीय संबंधों के सकारात्मक आकलन की गहरी सराहना करते हैं और पूरी तरह से उनका समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की ओर आगे की ओर देखने वाला बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक आकलन की मैं गहराई से सराहना करता हूँ और पूरी तरह से उनका समर्थन करता हूँ। भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक

और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। इससे पहले शुक्रवार (स्थानीय समय) को, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक घोषणा करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को एक रूबेरूब खास रिश्ता बताया और कहा कि वह और प्रधानमंत्री मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसमें रूचि की कोई बात नहीं है। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर नाखुशी भी जताई कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) इस समय क्या कर रहे हैं। एएनआई द्वारा पूछे जाने पर कि क्या आप इस समय भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं?, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा ऐसा करूँगा। मैं हमेशा (प्रधानमंत्री) मोदी का दोस्त रहूँगा। वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूँगा, लेकिन मुझे इस समय वह जो कर रहे हैं, वह पसंद नहीं है। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही खास रिश्ता है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। बस कभी-कभी हमारे बीच कुछ खास पल आते हैं।

शिक्षा नीति पर केन्द्र-तमिलनाडु में तकरार तेज त्रिभाषा फॉर्मूला नामंजूर: उदयनिधि

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने त्रिभाषा नीति को हिंदी को बढ़ावा देने वाली रूढ़िवादी नीतिर बताते हुए राज्य द्वारा उसे कभी स्वीकार न करने की बात दोहराई। इस गतिरोध के कारण केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख पहलुओं को लागू न करने के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत राज्य की करोड़ों रुपये की शिक्षा निधि रोक दी है, जिसके विरुद्ध तमिलनाडु ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। यह मामला केंद्र-राज्य संबंधों में शिक्षा नीति के महत्व और भाषाई स्वायत्तता पर प्रकाश डालता है।

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को दोहराया कि राज्य त्रिभाषा नीति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। वह यहाँ अन्ना शताब्दी पुस्तकालय सभागार में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक सरकारी समारोह में अध्यक्षीय भाषण दे रहे थे और डॉ. राधाकृष्णन पुरस्कार प्रदान कर रहे थे। उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु त्रिभाषा नीति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। दो-भाषा प्रणाली पर्याप्त से अधिक है।

त्रिभाषा विवाद ने 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन को लेकर केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच गतिरोध पैदा कर दिया है। द्रमुक सरकार ने त्रिभाषा नीति को रूढ़िवादी नीतिर करार दिया है जिसका उद्देश्य भारत के विकास के



बजाय हिंदी को बढ़ावा देना है। केंद्र ने तमिलनाडु को समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत करोड़ों रुपये की धनराशि रोक दी, क्योंकि राज्य ने एनईपी 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फॉर्मूलों को लागू करने से इनकार कर दिया था।

इस साल मई में, तमिलनाडु सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक मूल मुकदमा दायर किया, जिसमें केंद्र पर समग्र शिक्षा योजना के तहत 2000 करोड़ से अधिक की महत्वपूर्ण शिक्षा निधि के अपने वार्षिक हिस्से को रोकने का आरोप लगाया गया था। तमिलनाडु द्वारा एनईपी 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फॉर्मूलों को लागू करने से इनकार करने के परिणामस्वरूप, केंद्र ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत केंद्रीय शिक्षा सहायता में 573 करोड़ रुपये रोक दिए हैं। उदयनिधि स्टालिन ने ग्रामीण

क्षेत्रों में शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, रूढ़िवादी जब हम गाँवों में जाते थे, तो लोग किसी घर की ओर इशारा करके कहते थे, 'यह शिक्षक का घर है।' आज, वे गर्व से कहते हैं, 'यह डॉक्टर का घर है, यह जज का घर है।' इससे पता चलता है कि शिक्षा ग्रामीण समुदायों में कितनी दूर तक फैल गई है। शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए, उदयनिधि ने कहा, मध्याह्न भोजन योजना से लेकर सभी विशेष कल्याणकारी कार्यक्रमों तक, इसका श्रेय शिक्षकों को जाता है। खेल मंत्री के रूप में एक विशेष अनुरोध करते हुए, उन्होंने आगे कहा: हमें स्कूल शिक्षकों से अनुरोध करता हूँ कि वे नियमित कक्षाएं संचालित करने के लिए शारीरिक शिक्षा के पीरियड्स का इस्तेमाल न करें। खेलों और शारीरिक प्रशिक्षण को उनका उचित स्थान दिया जाए।

ने इसे वापस ले लिया है और माफी मांगी है। कांग्रेस इसका समर्थन नहीं करती है। जोसेफ ने कहा कि इस मामले पर पूर्व विधायक वीटी बलराम के साथ चर्चा की गई, जो केपीसीसी के डिजिटल मीडिया सेल के प्रभारी हैं। बिहार में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आमने-सामने आ गई है। इस पोस्ट में कथित तौर पर कांग्रेस की केरल इकाई ने बीडी पर जीएसटी दरों में कटौती की आलोचना करते हुए बिहार के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस पोस्ट पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा ने कड़ी निंदा की, जिसके बाद इसे हटा दिया गया। हटा दिए गए इस पोस्ट में सिमरा, सिमरेट और तंबाकू पर प्रस्तावित जीएसटी को मौजूदा 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने और बीडी पर जीएसटी में कटौती का एक चार्ट दिखाया गया था और टिप्पणी की गई थी, बीडी और बिहार बी से शुरू होते हैं, जिसे पाप नहीं माना जा सकता। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा, पहले हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की माता जी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान-यही है कांग्रेस का असली चरित्र, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है।

उनका इशारा पिछले सप्ताह राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में प्रधानमंत्री और उनकी मां को लेकर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई अभद्र की ओर था। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने अपने बयान में आरोप लगाया, ह्क कांग्रेस और राजद बिहारी अस्मिता पर हमला कर रहे हैं और राहुल गांधी तथा तेजस्वी यादव इसके सूत्रधार हैं। हालाँकि, बिहार की जनता धैर्य और संवैधानिक मानदंडों में विश्वास रखने वाली है। वे उचित समय पर इन दलों को सबक सिखाएंगे।

दो वकील हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, भारत के प्रधान न्यायाधीश से परामर्श के बाद, अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है।

दो वकीलों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने इस साल 25 मार्च को हुई बैठक में अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, भारत के प्रधान न्यायाधीश से परामर्श के बाद, अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। मौजूदा समय में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों की संख्या 160 है, जबकि वहाँ 84 न्यायाधीश तैनात हैं। राय और शुक्ला की नियुक्ति से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 86 हो जाएगी।

गुजरात के पावागढ़ मंदिर में भीषण हादसा, रोपवे का तार टूटने से 6 की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के पंचमहल जिले में पावागढ़ पहाड़ी मंदिर में रोपवे के लिए निर्माण सामग्री ले जा रही एक ट्रॉली के टूट जाने से शनिवार को छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय घटित हुई जब कार्गो रोपवे का केबल तार टूट गया, जिससे ट्रॉली नीचे गिर गई। पंचमहल के डीएसपी हर्ष दुधात ने बताया कि पावागढ़ में रोपवे के लिए निर्माण सामग्री ले जा रही एक ट्रॉली के टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस और दमकल की टीमों मौके पर मौजूद हैं और बचाव एवं राहत अभियान चला रही हैं। लगभग 800 मीटर की ऊँचाई पर स्थित इस मंदिर तक लगभग 2,000 सीढ़ियाँ चढ़कर या केबल कार के जरिए पहुँचा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण जनता के लिए बनाया गया रोपवे सुबह से ही बंद था। चांपानेर से तीन चरणों में उभरी पावागढ़ पहाड़ी, 1,471 फीट की ऊँचाई पर एक पठार है। इसके शिखर पर देवी काली को समर्पित एक विशाल मंदिर है, जहाँ सालाना लगभग 25 लाख पर्यटक आते हैं। वहाँ, गुजरात के राजकोट जिले में शुक्रवार देर रात एक राजमार्ग पर एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) पलट जाने से इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जसदन तालुका के जंगवाड गांव के पास देर रात करीब डेढ़ बजे हुई, छात्रों का एक समूह दीव जा रहा था। अटकोट पुलिस थाने के निरीक्षक आर एस सकरिया ने बताया कि मृतकों की पहचान नरेश कोडावती (19), मोती हर्षा (17) और अफरीद सैयद (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आंध्र प्रदेश से थे।

कटाक्ष : ऐसा देश है मेरा जहाँ भ्रष्टाचारी नेता-मंत्री भी लेते हैं तीन-तीन पेंशन

नियम कानून के साथ भारत जैसे देश मे खिलवाड़ होता है साहब खिलवाड़ ! यहाँ हम जैसा पीपेचडी डिग्री धारी युवा बेरोजगार कहलाता है और नेता जी अपने जीवन मे पांच साल नेताई के बाद अलग - अलग मद से चार - चार पेंशन गड़प कर जते है।है ना अजीब ! पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा से पेंशन के लिए आवेदन किया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पेंशन के लिए आवेदन किया है। कहते हैं कि 74 साल के धनखड़ को करीब अब तीसरी बार 42 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। दरअसल राजस्थान में नेताओं के लिए दोहरी-तिहरी पेंशन व्यवस्था लागू है, जिसके तहत पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पेंशन के लिए किया अप्लाई किया जो आज सुर्खियों मे बन आई। आपको बता दें कि धनखड़ 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अजमेर जिले की किशनगढ़ सीट से विधायक थे और बाद मे सांसद हुए तो विधायकी और सांसदी का पेंशन मिलता रहा होगा। यह नेताओं का अपना कानून है जिसमें निरीह टेक्स पेयर जनता का पैसा और वोट दोनों लेने के बाद अपने ऐसे आराम के लिए केवल मेज थपथपा कर अपनी सम्पत्ति कई गुना बढ़ा सकते है। कई पूर्व नेता एक साथ अलग-अलग पदों की कई पेंशन उठाते हैं जबकि एक पढ़ा लिखा युवा पांच हजार महीने के तनख्वाह का दिहाड़ी खट रहा और जाति के नाम पर वोट देकर इनको अपने सर पर बिठा लेगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुष्टि की है कि धनखड़ का पेंशन आवेदन विधानसभा को मिला है।

जनपद के पत्रकार और प्रदेश के मिडिया विक्षेपक पंकज सीबी मिश्रा ने जगदीप धनखड़ के चौथे पेंशन आवेदन पर कहा कि मेरी मानो तो तो सब कुछ बस नेताओं को ही दे दो, डिग्रीधारी युवाओं को खोज कर नौकरी देने, पत्रकारों को तनख्वाह देने, योग्य युवाओं को भत्ता देने मे सरकारों की सटक जाती है। आज अकेले यूपी के जनपद जौनपुर मे मुझे जैसा पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी डिग्रीधारी युवा 10 से 12 हजार की नौकरी लेकर 8 घंटे लगातार बिना चाय पानी के प्राइवेट संस्थाओं मे खटता है। हम जैसों का शोषण मंजूर है पर अपनी तनख्वाह और पेंशन बिना किसी लाग लोपट के 65 परसेंट तक बढ़ाने में भी, आने वाली शर्म की आप बात भी मत करिए। नेताओं की पेंशन दुगुनी करना बहुत पुनीत कार्य है इसमें सरकार को कोई टेंशन नहीं है। जनाब आम जनता के टेक्स का पैसा सांसदों, विधायकों, पार्षदों की जागीर है और नेताओं को जो दूसरे तरीकों से पैसा आता है उसकी बात भूलकर भी मत करना,ओर करना है तो करते रहो, ये तो मोटी खाल के है फॉरच्युनर से चलते है, इनके पुत्र पुत्रीया आरक्षण कि मलाई खाते है। इन नेताओं की सम्पत्ति भी अकूत होती है। मेरा मानना है कि नेताओं की अपनी कोई निजी संपत्ति होनी ही नहीं चाहिए। क्योंकि वे समाज सेवा करने आये थे, न कि कोई कारोबार करने। फिर भी अगर वे अपनी निजी संपत्ति रखते हैं, तो सपने से अधिक नहीं होनी चाहिए। परन्तु देखने को मिलता है कि इन दोनों के पास 5 से 10 साल में ही अकूत सम्पत्ति जमा हो जाती है। तो क्यों नहीं देश में एक ऐसा कानून लाया जाए जिसमें आप नामांकन करते समय अपने और अपने सगा संबंधियों के कुल संपत्ति और आय का ब्यौरा देंगे। अगले 5 साल के बाद पुनः आप अपना और उनके आए और संपत्ति का ब्यौरा जमा करेंगे और केवल एक पेंशन लेंगे। अगर आपकी और आपके सगा संबंधी कि सम्पति इन 5 साल में आय से दोगुना हुआ तो आप पर कानूनी कार्रवाई की जाए और आपकी संपत्ति को जप्त कर उसे राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किया जाए। हलाकि दोगुना होना भी उचित नहीं है फिर भी इतना माफ किया जा सकता है। मुझे लगता है कि अगर इस तरह का कानून आ जाए तो देश में भ्रष्टाचार का 75% मामला अपने आप खत्म हो जाएगा। क्योंकि अगर मंत्री शंत्री भ्रष्ट नहीं होंगे तो पदाधिकारी को भ्रष्टाचार करने का अवसर ही नहीं मिलेगा हमारे देश में योजनाएं और नियम आमतौर पर गरीबों पर सख्ती से लागू होते हैं, जबकि सुविधा संपन्न लोगों और खासतौर पर नेताओं को हर हाल में विशेषाधिकार दिए जाते हैं। हाल ही में यह चर्चा फिर से तेज हो गई है कि जिन लोगों के पास मोटरसाइकिल है, उनका राशन कार्ड रद्द किया जा सकता है, क्योंकि सरकार मानती है कि अगर किसी के पास दोपहिया वाहन है, तो वो गरीबी रेखा के नीचे नहीं हो सकता। लेकिन सवाल यह उठता है अगर मोटरसाइकिल गरीबों हटाने का पैमाना है, तो फिर फॉर्च्यूनर जैसी लज्जरी गाड़ी रखने वाले नेताओं को आज भी पेंशन, बंगला, गाड़ी, ड्राइवर, सुरक्षार्मी और अन्य सरकारी सुविधाएं क्यों दी जा रही हैं? क्या वे जरूरतमंद हैं ? आम जनता पर महंगाई और बेरोजगारी को दोहरी भार अब सहने योग्य नहीं। सरकारें अक्सर लीकेंज रोकने के नाम पर राशन कार्ड, गैस सब्सिडी, और अन्य योजनाओं लोगों को देती हैं पर उनमें से अधिकांश लोग सम्पन्न होते है। टीक ऐसे ही किसी नेता परिवार के पास मोटरसाइकिल, छोटा प्लाट, या मामूली आय का स्रोत दिखता है, पर सांसद विधायक बनते ही उन्हें आरक्षण के लिए अयोग्य नहीं माना जाता। दूसरी ओर, करोड़ों की संपत्ति रखने वाले जनप्रतिनिधि न केवल मुफ्त की सुविधाएं उठाते हैं, बल्कि चुनाव हारने के बाद भी आजीवन तीन से चार पेंशन लेते हैं। नेताओं की सुविधाओं पर कब सवाल उठेगा? एक सांसद या विधायक, चाहे एक बार चुनाव जीते हों या हार गए हों, उन्हें जीवनभर पेंशन मिलती है। साथ ही, उन्हें मुफ्त हवाई यात्रा, टोल टेक्स में छूट, और विशेष सरकारी आवास तक मिलते हैं। ये सब सुविधाएं उस देश में हैं, जहां करोड़ों लोगों को दो वक्त की रोटी के लिए सरकारी मदद की जरूरत होती है। अगर सरकार आर्थिक रूप से सक्षम नागरिकों को योजनाओं से बाहर कर रही है, तो सबसे पहले उन लोगों की सुविधाएं समाप्त होनी चाहिए, जिनके पास पहले से ही अथाह संपत्ति है—जैसे बड़े नेता, मंत्री, और अधिकारी। सवाल जनता का है, जवाबदेही सिस्टम की ये सवाल अब आम जनता पूछ रही है मेरे इस शब्दभेदी बाण के जरिये ! अगर गरीब के पास मोटरसाइकिल होना बन्हा है, तो अमीर के पास फॉर्च्यूनर रखना क्यों नहीं ? अगर छोटे किसान की सब्सिडी बंद हो सकती है, तो धनी नेताओं के पेंशन क्यों नहीं बंद किए जा सकते ! अगर जनसाधारण की स्कॉलरशिप, राशन और गैस सब्सिडी खत्म की जा सकती है, तो नेताओं की सुविधाएं क्यों नहीं ? देश को अगर वाकई ईमानदारी से चलाना है, तो नियम सबके लिए बराबर होने चाहिए। मोटरसाइकिल पर राशन कार्ड रद्द हो सकता है, तो फॉर्च्यूनर पर पेंशन क्यों नहीं ? ये सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि एक जनभावना है, जो अब आवाज बन रही है। समय आ गया है कि शासन व्यवस्था में समानता, न्याय और जवाबदेही लाई जाए। वरना लोकतंत्र में जनता चुप नहीं रहती – वो सवाल उठाती है, और कभी-कभी बदलाव भी ला देती है। सवाल है कि अपने पांव पर कोई कुल्हाड़ी क्यों मारेगा ? खासकर उन नेताओं से तो अपेक्षा नहीं ही की जा सकती है जो अन्य सभी सरकारी नौकरियों में पेंशन खत्व करते जा रहे हैं और अपने लिए अभी भी एक साथ दो तीन पेंशन का जुगाड़ रखे हुए हैं। ऐसे में तो यही कहा जायेगा कि भगवान बचाये इस देश को !

पंकज सीबी मिश्रा
जौनपुर यूपी



खेलने के लिए कितनी आजाद हैं भारत की लड़कियां

विजय गर्ग

जब भारत ने 1948 के लंदन ओलंपिक में भाग लिया तो पूरे दल में एक भी महिला खिलाड़ी नहीं थी। 78 सालों के बाद भी इस स्थिति में कुछ खास बदलाव नहीं आया है। खेल के क्षेत्र में भारत की लड़कियां आज भी संघर्ष कर रही हैं। एक खेल प्रतियोगिता में मेडल लेतीं पैरा एथलीट अमीषा रावत अमीषा रावत ने शारीरिक विकलांगता को अपने लिए कभी बाधा नहीं बनने दिया उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले की रहने वाली अमीषा रावत के लिए पहाड़ों के पथरीले रास्ते उतनी बड़ी बाधा नहीं थे जितना उनके आस पास मौजूद लोग। शारीरिक विकलांगता की वजह से साथ पढ़ने वाले बच्चे न सिर्फ उन्हें लाचारी भरी निगाह से देखते थे बल्कि मजाक भी उड़ाते थे।

ऐसे लोगों को जवाब देने के लिए अमीषा ने अपने काम और सफलता को जरिया बनाया। अमीषा ने आगे चलकर न सिर्फ देश में अपने खेल (शॉट पुट) से नाम कमाया बल्कि पेरिस पैरालंपिक के लिए भी क्वालिफाई किया।

भारत में आज भी अमीषा जैसी तमाम लड़कियां हैं, जो न सिर्फ खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं बल्कि देश के लिए सोने, चांदी और कांसे के तमगे भी ला सकती हैं लेकिन सामाजिक रूढ़िवादिता, लैंगिक असमानता जैसे तमाम रोड़े उनके रास्ते की रुकावट बनते हैं

पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने के बाद मनु भाकर आजादी के बाद 1948 के लंदन ओलंपिक में भारतीय दल में एक भी महिला खिलाड़ी नहीं था।

खेलों में महिलाओं की भागीदारी

आजादी के बाद भारत में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय लक्ष्य रहा है। खेल का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है, जहां महिलाओं की भागीदारी न केवल शारीरिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास के लिए जरूरी है, बल्कि यह सामाजिक रूढ़िवादिता को तोड़ने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और इसमें सफल करियर बनाने का एक शक्तिशाली माध्यम भी है। बावजूद इसके खेलों का महाकुंभ माने जाने वाले ओलंपिक में महिलाओं की भागीदारी बमुश्किल ही पुरुषों के बराबर पहुंच पाई है। 2024 में हुए पेरिस ओलंपिक में भारत की तरफ से कुल 117 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 70 पुरुष और महज 47 महिलाएं थीं।

ओलंपिक की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत की तरफ से ओलंपिक में शामिल होने वाली पहली महिला नोरा पॉली हैं, जिन्होंने 1924 में पेरिस ओलंपिक में टेनिस में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

आजादी के बाद 1948 के लंदन ओलंपिक में भारतीय दल में एक भी महिला खिलाड़ी नहीं थी लेकिन 1952 के हेल्सिंकी ओलंपिक में नीलिमा घोष, मैरी डिसूजा, डॉली नाजिर और आरती साहा ने देश का झंडा उठाया। भारत में खेल और शारीरिक गतिविधि (एसएपीए) में भागीदारी के स्तर में लैंगिक असमानता बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मौजूदा समय में केवल 43 फीसदीभारतीयमहिलाएं ही सुझाई गई शारीरिक गतिविधियों में शामिल होती हैं। हालांकि, अगर आजकल का रूझान ऐसे ही जारी रहा, तो 2030 तक

भारत में आज भी अमीषा जैसी तमाम लड़कियां हैं, जो न सिर्फ खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं बल्कि देश के लिए सोने, चांदी और कांसे के तमगे भी ला सकती हैं लेकिन सामाजिक रूढ़िवादिता, लैंगिक असमानता जैसे तमाम रोड़े उनके रास्ते की रुकावट बनते हैं

यह संख्या घटकर 32 फीसदी रह जाने की संभावना है।

एक नहीं, दो नहीं हजार समस्याएं

महिलाओं के लिए खेलों से दूरी घर से ही शुरू हो जाती है। ये कहना है डॉ. दिलीप्रत कौर का, जो खुद लंबे समय तक ट्रेक एंड फील्ड एथलीट रही हैं और पुणे की श्री बालाजी यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स साइंस विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

उन्होंने डीडब्ल्यू हिंदी से बात करते हुए बताया, हर खेल की अपनी डिमांड होती है और बेहतर नतीजे हासिल करने के लिए हमें उसके हिसाब से चलना पड़ता है लेकिन कई बार लड़कियों को सिर्फ इसलिए रोका जाता है क्योंकि उन्हें छोटे कपड़े पहनने पड़ते हैं। अल्मोड़ा की रहने वाली ज्योति तलवार बताती हैं कि उन्हें खेलने के लिए परिवार की तरफ से हमेशा सपोर्ट मिला लेकिन स्कूल में शिक्षकों का साथ नहीं मिलता था। उनकी टीचर अक्सर कहती थीं कि अगर दो नावों की सवारी की तो डूबना तय है।

ट्रेक एंड फील्ड में मास्टर डिग्री ले चुकी ज्योति ने न केवल दो नावों की सवारी की बल्कि उन्हें पार भी लगाया। ज्योति कहती हैं कि स्कूलों में ही अगर सही समय पर प्रतिभा की पहचान कर ली जाए तो भारत को बड़े स्तर पर अच्छे खिलाड़ी मिल सकते हैं।

डॉ. दिलीप्रत कौर खेल के दौरान चोट लगने, कोचिंग और स्पॉन्सरो के अभाव, फंडिंग, मॉडिया कवरेज और ह्यूमन परफॉर्मेंस लेव की कमी, जेंडर गैप और असुरक्षित माहौल को भी बड़ा कारण मानती हैं। उन्होंने बताया कि भारत में जितने स्पोर्ट्स सेंटर हैं, वो फिलहाल काफी नहीं हैं। मौजूदा सेंटरों में इतनी कम जगह है कि ज्यादातर लड़कियों को खेल का खर्च उठाने के लिए परिवार से मदद लेनी पड़ती है। वो कहती हैं, हम खर्च तब करते हैं जब मेडल आ जाता है जबकि खर्च मेडल लाने से पहले करना चाहिए।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के 24 सेंटरों पर महज 1,514 लड़कियां और एसएआई प्रशिक्षण केंद्रों में महज 1,383 लड़कियां हैं।

पीरियड्स भी एक बड़ी वजह

भारत में आमतौर पर पीरियड्स को लेकर जागरूकता का अभाव है और बाल खेलों की हो तो तमाम भातियां मौजूद हैं। पैरा एथलेटिक्स कोच अभिषेक चौधरी भी यही मानते हैं। डीडब्ल्यू हिंदी से बात करते हुए उन्होंने बताया, ट्रेनिंग के दौरान कई बार ऐसा होता है कि हमें शारीरिक क्षमता का ध्यान रखते हुए शेड्यूल बनाना होता है लेकिन कई बार लड़कियां कोच को खुलकर बता नहीं पाती हैं। वो यह भी कहते हैं कि भारत में ऐसे डॉक्टरों की कमी है जिन्हें खेल से जुड़ी चोटों या अन्य मामलों की जानकारी हो। उन्होंने कहा, हमारे एथलीट्स को अगर यूरोपीय देशों जैसी आधी सुविधाएं भी मिल जाएं तो हमारी लड़कियां न सिर्फ लड़कों से ज्यादा मेडल लाएंगी



दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मगौरव का भी प्रतीक है। सेमीकंडक्टर मिशन, वैश्विक सहयोग, और शिक्षा व अनुसंधान में निवेश ने भारत की चिप क्रांति को साकार रूप दिया है।

भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एसस्ीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निमातां, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है।

चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक—हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाजार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर

चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए हाइडिजिटल इंडियाह्, ह्यूमेक इन इंडियाह् और ह्यस्टार्टअप इंडियाह् जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमातां भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया।

कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीर्मातें बर्झी, उत्पादन ठहुरा और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति श्रृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीक केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्रार्थमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई, जिससे यह प्रमाणित हो गया कि विश्व समुदाय भारत के बढ़ते तकनीकी महत्व को स्वीकार कर रहा है।

भारत ने इस प्रयास को केवल उद्योग तक सीमित नहीं

रखा है। शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों और स्टार्टअप को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। आईआईटी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइनिंग, नैनोटेक्नोलॉजी और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए हैं। युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार आने वाली पीढ़ी को तकनीकी नेतृत्व सौंपने की ठोस तैयारी की जा रही है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का यह अभियान रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का भी आधार बनेगा। अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में इस क्षेत्र से दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण, डिजाइनिंग, परीक्षण और वितरण के स्तर पर नये उद्योग और स्टार्टअप उभरेंगे। यह केवल तकनीकी विकास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम होगा। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्षा उपकरणों और उपग्रह तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ने से भारत की रणनीतिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आटि-फिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में भी भारत का प्रभाव बढ़ेगा। स्पष्ट है कि चिप निर्माण केवल उद्योग की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से भी गहरे रूप से जुड़ा है। हालाँकि, चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। बिजली और जल की सतत आपूर्ति, अनुसंधान में निरंतर निवेश, वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बाधाएँ इस यात्रा को कठिन बना सकती हैं। किंतु सरकार, उद्योग और समाज के संयुक्त प्रयास से इन चुनौतियों का समाधान अवश्य होगा। भारत ने जिस आत्मविश्वास और संकल्प के साथ इस यात्रा का आरम्भ किया है, उससे यह स्पष्ट है कि वह पीछे मुड़कर देखने वाला नहीं।

आज भारत की चिप क्रांति केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता की कहानी नहीं, बल्कि यह आत्मगौरव, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की महागाथा भी है। उम्मीदों की चिप सचमुच हौसलों को पंख दे चुकी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व व्यवस्था को बदला, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप और तकनीक वैश्विक नेतृत्व का निर्धारण करेगी। भारत ने इस क्षेत्र में अपने कदम दृढ़तापूर्वक बढ़ा दिए हैं और अब उसका सपना धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ,



पूर्व विधायक नजफगढ़ और शिक्षा उपनिदेशक ने निगम विद्यालयों के लिए की घोषणाएं

नई दिल्ली। नगर निगम प्राथमिक विद्यालय गोपाल नगर में नजफगढ़ क्षेत्र दिल्ली नगर निगम की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अमित खड़खड़ी, उपाध्यक्ष शिक्षा समिति दिल्ली नगर निगम सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे इस समारोह में नगर निगम विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त एल्यूमिनी को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया एल्यूमिनी के रूप में अजीत खड़खड़ी पूर्व विधायक नजफगढ़ क्षेत्र का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ नजफगढ़ क्षेत्र की उप शिक्षा निदेशक नीरा तथा विद्यालय निरीक्षक संजय कुमार ने सभी अतिथि जनो का अभिनंदन किया इस समारोह में निगम के बाबनोली तथा गोपाल नगर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। एल्यूमिनी के रूप में पूर्व विद्यालय निरीक्षक नजफगढ़ क्षेत्र शशि कुमार, प्रधानाचार्य जगदीश यादव, प्रधानाचार्य इंचाचं ककरोला स्टेडियम एवं अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलीट विकास डागर ,महेश चंद्र भारद्वाज शिक्षक ,डॉ.रीना पीजीटी उजवा,नेरेश भारद्वाज प्रधानाचार्य,अनू यादव पीजीटी हिंदी, अध्यापिका संजू मीणा तथा हरिदत्त पूर्व विद्यालय निरीक्षक शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम से की गई। राजनगर विस्तार की अध्यापिका रचना ने सरस्वती वंदना की मोहक नृत्यात्मक प्रस्तुति दी।एलुमनी के रूप में पधारे नजफगढ़ के पूर्व विधायक अजीत खरखड़ी ने अपने संबोधन में शिक्षकों की मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।अन्य एलुमनी ने भी अपने विचार साझा किए। इस विशेष आयोजन के मुख्य अतिथि अमित खरखड़ी ,उपाध्यक्ष शिक्षा समिति एम. सी.डी. ने निगम विद्यालयों में जल्द ही गार्ड,स्वीपर,और एम टी एस कर्मचारी नियुक्त किए जाने की घोषणा की ताकि विद्यालयों का संचालन सुचारू रूप से हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा समिति विशेष रूप से शौचालय, पेयजल,स्वछता और मध्यान्ह भोजन योजना पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें इस अवसर पर जौन द्वारा आयोजित कविता एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन अध्यापक एवम अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि रमेश कुमार गंगेले ने किया।अंत में जौन की उपनिदेशक शिक्षा नीरा ने शिक्षक दिवस की पूर्व बेला पर जौन के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। और भव्यता को लिए हुए कार्यक्रम अच्छी तरह संपन्न हो गया। सीमा रंभा इन्द्रा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दी जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों को चेतावनी अनुशासित रहकर संगठन में काम करें : भूपेन्द्र चौधरी



कानपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी से जुड़े जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों को अनुशासित रहकर संगठन में काम करने के लिए चेताया है। गत शुक्रवार को क्षेत्रीय कार्यालय में पत्रकारों से वाता के दौरान उन्होंने पिछले दिनों कानपुर देहात में जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की ओर से की गई बयानबाजी और विरोध प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इसे अनुशासनहीनता बताया। उन्होंने कहा कि जो प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि हैं उन्हें तो अपनी बात सरकार और पार्टी फोरम पर रखना ही चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन इस पूरे प्रकरण को लेकर काफी गंभीर है। ऐसे लोगों को नोटिस जारी किया जा चुका है। इन सभी के जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह उन्होंने दो दिन पहले बाराबंकी में एबीवीपी से जुड़े छात्रों पर किए गए लाठी चार्ज की घटना पर भी दुःख जताया। कहा कि यह बहुत दुःखद है। इसकी गंभीरता से जांच चल रही है। जो भी लोग इसमें दोषी पाए जाते हैं उन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संगठन विस्तार पर कहा कि राष्ट्रीय से लेकर जिलास्तर तक संगठन का नए सिरे से गठन होना है। काफी कुछ काम हो चुका है। जल्द राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। कहा कि यह कार्य पहले हो जाना चाहिए था।



सीएम ने महेन्द्र प्रताप मिश्र को दी श्रद्धांजलि

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोहिया ब्लॉक क्षेत्र के मड़हा निवासी, पूर्व प्रधान स्वर्गीय महेंद्र प्रताप मिश्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधान महेंद्र प्रताप मिश्रा का लंबी बीमारी के बाद 27 अगस्त को निधन हो गया था। उन्होंने स्वर्गीय मिश्रा के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और महायोगी गुरु गोरखनाथ से दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने परिजनों के साथ आत्मीय बातचीत कर उन्हें ढाढ़स भी बंधाया। इस अवसर विभिन्न जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में सीएम योग आदित्यनाथ ने बेतियाहाता में साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष व गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ तिवारी के आवास पर पहुंचकर उनकी पत्नी दुर्गावती देवी के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि दुर्गावती देवी का विगत दिनों लम्बी बीमारी से निधन हो गया था उन्होंने स्वर्गीय दुर्गावती देवी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और महायोगी गुरु गोरखनाथ से दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने परिजनों के साथ आत्मीय बातचीत कर उन्हें ढाढ़स भी बंधाया। इस अवसर विभिन्न जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

डॉ. सरिता सिंह बनीं महानगर की साहित्यिक मंत्री
गोरखपुर (एसएनबी)। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति की संस्तुति पर गत दिनों बुधवार को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने सुप्रसिद्ध कवियत्री डॉ. सरिता सिंह की महानगर का साहित्यिक मंत्री नियुक्त किया है। डॉ. सरिता सिंह चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवा दे रही है। कवयित्री एवं समाज सेविका होने के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर अपनी कलम चलाती हैं। इनकी सामाजिक एवं साहित्यिक उपलब्धि एवं सक्रियता के आधार पर उनको ये जिम्मेदारी दी गई है ये नियुक्ति दो वर्षों के लिए होगी। इस अवसर पर सामाजिक साहित्यिक बंधुओं ने बधाई दी है।

एडीआर रिपोर्ट : 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की

नई दिल्ली (जीकेबी) देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के एक विश्लेषण के अनुसार यह रिपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आई है जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्रीद्व मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302

मंत्रियों यानी कुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

रिपोर्ट की मानें तो इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण के अनुसार, भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पार्टी के 45 मंत्रियों (75 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 (लगभग 87 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं जबकि 14 (45 प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों (33 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 8

‘नो हेलमेट, नो फ्यूल’ अभियान शुरू
लखनऊ। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के लिए बड़ा कदम उठाया है। सोमवार, 1 सितंबर से उत्तर प्रदेश में नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान शुरू हो गया है। यह विशेष अभियान पूरे महीने यानी 30 सितंबर तक चलेगा। अब बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालकों को किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि पहले हेलमेट, बाद में ईंधन. यह अभियान किसी को दंडित करने के लिए नहीं, बल्कि आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए है। सीएम ने जनता से इसमें अधिक से अधिक सहयोग करने की अपील की और कहा कि सड़क पर सुरक्षा नियमों का पालन हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यह अभियान जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिला सड़क सुरक्षा समिति (डीआरएससी) के समन्वय से चलाया जाएगा।

पुलिस, परिवहन विभाग, राजस्व और प्रशासनिक अधिकारी मिलकर इसे सफल बनाएंगे। प्रत्येक जिले में पेट्रोल पंपों पर विशेष निगरानी होगी ताकि नियम का पालन सुनिश्चित हो सके। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट लगाने की आदत विकसित करना है। उन्होंने कहा कि यह कदम जनता के हित में है और इससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु और गंभीर चोटों को कम करने में मदद मिलेगी।

पेट्रोल पंप पर हंगामा : पेट्रोल न देने पर पंप कर्मचारी से भिड़ी युवती,मामला दर्ज, युवती की तलाश में जुटी पुलिस

गोरखपुर। रामगढ़ताल क्षेत्र के आजाद चौक स्थित पेट्रोल पंप पर शुक्रवार दोपहर उस समय हंगामा हो गया, जब बिना हेलमेट आई युवती को पेट्रोल देने से मना किया गया। बात इतनी बढ़ी कि स्कूटी सवार युवती और पंप पर काम करने वाली कर्मचारी भिड़ गईं। दोनों के बीच लात-घुंसे चले। घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पंप कर्मचारी, भरवलिया निवासी नीशू राजभर की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस युवती की तलाश कर रही है। बताया जाता है कि गत शुक्रवार की दोपहर में भीड़ के बीच सफेद टी-शर्ट पहने एक युवती स्कूटी से पेट्रोल लेने पहुंची। उसने हेलमेट नहीं

► भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी संपन्न

सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता: योगी आदित्यनाथ



गोरखपुर। नागरिक चैन की नींद इसलिए सो पाते हैं कि हमारे सैनिक देश के मोर्चे पर माइनस 50 डिग्री तापमान में कठिन परिश्रम करते हुए देश की सुरक्षा के लिए खड़े रहते हैं। भारतीयों के लिए यह गर्व की बात है कि भारतीय सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। यह विचार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध के तौर तरीके बदले हैं। बदली परिस्थितियों में भी हमारी सेना ने दुश्मन को उसकी सीमाओं का अहसास कराया है।

सीएम योगी, गत दिनों शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर स्थित दिग्विजयनाथ सभागार में आयोजित भारत के समक्ष

राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिए गए पंचप्रण का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें सेना के जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखने का भी एक संकल्प है। उन्होंने कहा कि वैदिक काल से ही भारत में यह शिक्षा दी गई है कि धरती हमारी माता है और हम धरती के पुत्र हैं। कोई भी सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत मां की आन, बान, शान के प्रति किसी ने दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ हर भारतीय खड़ा होगा।

गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की स्मृति को नमन करते हुए मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आध्यात्मिक साधना के साथ ब्रह्मलीन महंतद्वय का पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। पाथिक संकीर्णता में बंधे रहने की बजाय उन्होंने भारत और भारतीयता के लिए किए गए हर आह्वान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। महंतद्वय की स्मृति में राष्ट्र से जुड़े विषयों पर संगोष्ठी का यह आयोजन गुरु परंपरा के प्रति गौरव की अनुभूति और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर होता है।

लगाया था। पंप पर काम कर रही लड़की ने उसे नियम का हवाला देते हुए पेट्रोल देने से मना कर दिया। इस पर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। स्कूटी सवार युवती ने गाड़ी किनारे खड़ी की और कुछ देर बाद वापस आकर पंप कर्मचारी पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

एसआरएम यूनिवर्सिटी में लाठीचार्ज प्रकरण: अभाविप कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

► जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग
► बिना अनुमति विधि पाठ्यक्रम संचालन की उच्चस्तरीय जांच की मांग

► 24 घंटे में शिक्षा माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश व्यापी आंदोलन की चेतावनी

गोरखपुर (जीकेबी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं पर बाराबंकी के एसआरएम यूनिवर्सिटी में लाठीचार्ज के मामले में कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी है।

बीते शुक्रवार की शाम अभाविप कार्यकर्ताओं ने प्रांत कार्यालय से गोलघर तक मशाल यात्रा निकालकर विरोध दर्ज करवाया। इस दौरान चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे में शिक्षा माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा। अभाविप प्रांत मंत्री मयंक राय ने कहा कि एसआरएमयू प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत से छात्रों पर हमला कराया गया, जो लोकतंत्र में अस्वीकार्य है। शिक्षा को धंधा बनाने वाले संस्थानों को बंद किया जाए। इस घटना के जिम्मेदारों के



खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। बिना अनुमति विधि पाठ्यक्रम संचालन की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। शुल्क के नाम पर वसूली की

जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। ऐसा नहीं होने पर अभाविप प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

दरगाह में निकले विशाल जुलूस ने आपसी सौहार्द का दिया संदेश

मधुबन। स्थानीय तहसील क्षेत्र के विभिन्न अंचलों में शुक्रवार को ईद मिलादुन्नीबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्राम सभा दरगाह, सिपाह, बीबीपुर, दुबारी, मर्यादपुर, फतेहपुर सहित मुस्लिम बाहुल्य गांवों में दिनभर उत्साह का माहौल रहा। कई स्थानों पर भव्य जुलूस निकाले गए तो वहीं मदरसों में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया गया। दरगाह में निकले विशाल जुलूस ने आपसी सौहार्द का संदेश दिया। इसमें दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। जगह-जगह हिंदू भाई जुलूस में शामिल लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। जुलूस में धार्मिक झंडों के साथ-साथ देश का तिरंगा भी शान से लहराता रहा गांव स्थित मदरसा तालीमुद्दीन से प्रारंभ हुआ यह जुलूस विभिन्न चट्टी-चौराहों से होकर पुनः मदरसा प्रांगण में आकर समाप्त हुआ। समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने कई मन मोहक प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर आलिमों ने इस्लाम के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके बताए सिद्धांत मानवता और ईंसानियत के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिन्हें हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए।



करवाचौथ के त्यौहार के मद्देनजर, कुमार समुदाय के लोग मिट्टी के करवे बनाने के काम में दिन-रात जुटे हैं, क्योंकि इस पूजा के लिए मिट्टी के करवे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। कुमार लोग मिट्टी गूँथकर, चाक पर करवे आकार देकर और फिर उन्हें आग में पकाकर तैयार करते हैं, ताकि त्यौहार से पहले इन करवों को बाजारों में बेचा जा सके।

नहीं होने की सूचना दी है। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में मंत्रियों की वित्तीय संपत्तियों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया है, इसके अनुसार- मंत्रियों की औसत संपत्ति 37.21 करोड़ है जबकि सभी 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23, 929 करोड़ है। तीस विधानसभाओं में से 11 में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ अरबपति मंत्री हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश में छह और महाराष्ट्र में चार ऐसे मंत्री हैं। अरूणाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और तेलंगाना में दो-दो मंत्री जबकि गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब में एक-एक मंत्री अरबपति हैं। यह रिपोर्ट केंद्र द्वारा संसद में पेश उन विधेयकों के पारित होने के कुछ दिन बाद आई है जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी पर 30 दिन हिरासत में रहने के बाद सीएम व पीएम जैसे पद छोड़ने का प्रावधान है।

(20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज्यादा है, जिसके 23 में से 23 मंत्रियों (96 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आग के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि पांच (३१ प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर 72 केंद्रीय मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके विपरीत हरियाणा जम्मू-कश्मीर, नगालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज

किस्‍यी के लिए नई आजादी, तो किस्‍यी के लिए जिम्मेदारी से भागने जैसा मरेज ग्रेजुएशन



जापान में इन दिनों मेरेज ग्रेजुएशन नाम का ट्रेंड बहुत पॉपुलर हो रहा है। इसमें पति-पत्नी शादीशुदा रहते हैं लेकिन अपनी-अपनी जिंदगी अलग जीते हैं। तलाक की बजाय लोग मेरेज ग्रेजुएशन चुन रहे हैं क्योंकि इसमें सम्मान भी बचा रहता है और आजादी भी मिलती है।

मेरेज ग्रेजुएशन को जापानी भाषा में सोत्सुकोन कहा जाता है। यहाँ सोत्सु का मतलब है ग्रेजुएशन यानी किसी स्टेज को पूरा करके आगे बढ़ना, और कोन का मतलब है शादी। यानि मेरेज ग्रेजुएशन का मतलब

राष्ट्रीय साहित्यान्चल सम्मान हेतु डॉ. प्रियंका सौरभ और डॉ. सत्यवान सौरभ का चयन

हिसार, सिवानी मंडी । भीलवाड़ा, राजस्थान औद्योगिक नगरी के साथ-साथ साहित्य साधना की धरा बन चुके भीलवाड़ा से एक महत्वपूर्ण समाचार सामने आया है। साहित्यांचल संस्था द्वारा घोषित परिणामों में सिवानी मंडी के गाँव बड़वा के साहित्यकार दंपति डॉ. प्रियंका सौरभ और डॉ. सत्यवान सौरभ का राष्ट्रीय स्तर के सम्मान हेतु चयन हुआ है। घोषित सूची के अनुसार, डॉ. प्रियंका सौरभ का चयन ह्रस्वशीला देवी खमेसरा राष्ट्रीय साहित्यांचल सम्मानह् (₹5100) और डॉ.

सत्यवान सौरभ का चयन ह्रस्वरूप सिंह खमेसरा राष्ट्रीय साहित्यांचल सम्मानह् (₹5100) के लिए किया गया है। यह दंपति न केवल सक्रिय साहित्यकार हैं, बल्कि प्रतिदिन देश-विदेश के हजारों अखबारों में विभिन्न भाषाओं में संपादकीय लेख लिखते हैं। डॉ. सत्यवान सौरभ की अब तक 17 पुस्तकें और डॉ. प्रियंका सौरभ की 10 पुस्तकें विभिन्न विधाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। संसमयिक विषयों पर लेखन के साथ-साथ दोनों कवि-लेखक कविता, दोहे, कहानियाँ, लघुकथाएँ

और बाल कविताएँ भी रचते हैं, जिससे उनकी रचनात्मकता का व्यापक स्वरूप सामने आता है। दोनों ही राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त हैं। डॉ. प्रियंका सौरभ ने चयन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा शब्द मेरे लिए केवल अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं।यह चयन साहित्य साधना की यात्रा को नई प्रेरणा देगा। वहीं डॉ. सत्यवान सौरभ ने कहा साहित्य साधना का मार्ग कठिन होता है, लेकिन जब समाज और संस्थाएँ उसे मान्यता देती हैं, तो यह तपस्या सार्थक

तेहरान : सिर्फ एक जासूसी या थ्रिलर फिल्म नहींबल्कि एक राजनीतिक कमेंट्री

मुंबई। आज की फिल्मों में जहां अक्सर ज्यादा शोर, बड़े-बड़े संवाद और दिखावे वाले एक्शन पर जोर होता है, वहीं रतेहरानर एक बिल्कुल अलग राह पकड़ती है। यह एक ऐसी फिल्म है जो न तो दर्शकों को हल्के में लेती है, न ही कहानी को सजावटी बनाती है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, यह पॉलिटिकल थ्रिलर ना केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं को उधेड़ती है, बल्कि एक इंसान की निजी लड़ाई को भी बेहद सधी हुई संवेदनशीलता से सामने लाती है। फिल्म की शुरूआत होती है दिल्ली की गलियों में हुए एक भयानक बम धमाके से। हादसे में कई लोग घायल होते हैं और एक मासूम बच्ची की मौत हो जाती है। पर यह एक आम आतंकवादी हमला नहीं – इसके पीछे छिपे हैं राजनीतिक समीकरण, अंतरराष्ट्रीय दुश्मनियाँ, और एक ऐसा नेटवर्क जो सीमाओं की परवाह नहीं करता। इस केस की जिम्मेदारी सौंपी जाती है डीसीपी राजीव कुमार (जॉन अब्राहम) को। उनके लिए यह सिर्फ एक जाँच नहीं, बल्कि व्यक्तिगत प्रतिशोध बन जाता है, क्योंकि मारी गई बच्ची उनके दिल के बेहद करीब थी। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, राजीव को एहसास होता है कि यह घटना केवल भारत तक सीमित नहीं – इसमें ईरान और इजराइल के बीच की पुरानी दुश्मनी भी गहराई से जुड़ी हुई है। और भारत, इन दो महाशक्तियों के बीच एक संतुलन साधने की कोशिश में फंसा है।

जॉन अब्राहम ने इस बार अपने एक्शन अवतार से हटकर एक गंभीर, शांत और अंदर से टूटा हुआ किरदार निभाया है। उनका अभिनय मुंह से नहीं, बल्कि नजरों और चुप्पी के जरिए संवाद करता है। यह शायद जॉन का सबसे संतुलित और परिपक्व अभिनय है।मानुषी छिल्लर एक सीमित लेकिन



प्रभावशाली भूमिका में हैं। सब-इंस्पेक्टर दिव्या राणा के रूप में उनका किरदार कहानी में एक बड़ा मोड़ लाता है। उनकी सादगी और संजीदगी फिल्म की टोन के साथ बखूबी मेल खाती है।लीरू बाजवा डिप्लोमैट शैलजा के रूप में एक शांत लेकिन राजनीतिक रूप से जागरूक और सशक्त किरदार निभाती हैं। वह बैकग्राउंड में रहते हुए भी हर सीन में प्रभाव छोड़ती हैं।हादी खननपुर का आतंकवादी अशरफ खान के रूप में अभिनय डर पैदा करता है लेकिन बिना किसी ओवरएक्टिंग के। उनका अभिनय इतना असली है कि दर्शक उसके इरादों से काँप उठते हैं।

फिल्म थोड़ा थोड़ा 2012 के एक असली बम धमाके से प्रेरित है, लेकिन इसे पेश करने का अंजल पूरी तरह से सितमाई है। राजनीति, इमोशन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को इस तरह पिरोया गया है कि हर मोड़ पर दर्शक सोचने पर मजबूर होता है। भारत की भूमिका को ना तो हीरो बनाया गया है, ना ही

एक गलती जिसने बर्बाद कर दिया विवेक ओबेरॉय का फिल्मी करियर बिजनेस में बनाया मुकाम

फिल्मों के ऑफर्स आना बंद हो गए, लेकिन विवेक ओबेरॉय ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने बिजनेस की ओर रुख किया और कई सालों की मेहनत के बाद उन्होंने खुद का साम्राज्य खड़ा कर लिया। इसके साथ ही विवेक ओबेरॉय ने दुबई और यूएई में भी बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्टमेंट किया है।

बॉलीवुड में सफलता पाना

जितना मुश्किल है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल

उस कामयाबी को बरकरार रखना है। कई स्टार्स अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर सुपरस्टार्स बन जाते हैं, लेकिन एक गलती उनको पूरी तरह बर्बाद कर देती है। हिंदी सिनेमा के एक स्टार के साथ भी ऐसा ही हुआ। यह और कोई नहीं बल्कि अभिनेता विवेक ओबेरॉय हैं। विवेक ओबेरॉय को लॉन्चिंग के साथ ही इंडस्ट्री का अगला सुपरस्टार कह दिया गया था। लेकिन एक चुक ने उनका फिल्मी सफर बिगाड़ दिया। आज यानी की 03 सितंबर को विवेक ओबेरॉय अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता विवेक ओबेरॉय के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

विवेक ओबेरॉय का 03 सितंबर 1976 को हुआ था। उनके पिता का नाम सुरेश ओबेरॉय था, जोकि दिग्गज अभिनेता थे। लेकिन इसके बाद भी विवेक ओबेरॉय का सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाई। लेकिन विवादों ने उनके करियर की चमक को छीन लिया। लेकिन विवेक ओबेरॉय ने हार नहीं मानी और बिजनेस की ओर रुख किया। उन्होंने अपनी मेहनत से बिजनेस से करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर लिया।

साल 2002 में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'कंपनी' से विवेक ओबेरॉय ने इंडस्ट्री में कदम रखा था। यह क्राइम बेस्ड फिल्म थी और विवेक ने अपने किरदार को शानदार ढंग से निभाया कि हर ओर उनकी तारीफ होने लगी। पहली ही फिल्म ने विवेक को

फिल्मफेयर अवॉर्ड दिला दिया और दर्शकों ने उनको इंडस्ट्री का उभरता हुआ सितारा मान लिया था। इसके बाद अभिनेता ने 'साथिया' जैसी रोमांटिक फिल्म से दिल जीता। इसके बाद उन्होंने 'शूटआउट एट लोखंडवाला' जैसी एक्शन फिल्म ने साबित कर दिया कि विवेक ओबेरॉय हर तरह के किरदार में फिट बैठ जाते हैं। शुरूआती दिनों में उनको इंडस्ट्री का अगला सुपरस्टार कहा जाने लगा था।

लेकिन एक गलती से विवेक ओबेरॉय का पूरा फिल्मी करियर चौपट हो गया। साल 2004 के आसपास अभिनेता विवेक ओबेरॉय का नाम एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के साथ जोड़ा गया। लेकिन तभी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सनसनी मचा दी। इस कॉन्फ्रेंस में विवेक ने दावा किया कि सलमान की ओर से उनको बार-बार धमकियां मिल रही हैं और वह उनको ऐश्वर्या राय से दूर रहने के लिए कह रहे हैं। सलमान खान के खिलाफ की गई यह बयानबाजी विवेक ओबेरॉय को भारी पड़ गई। इंडस्ट्री में उनकी इमेज बिगड़ गई और बड़े फिल्ममेकर उनसे दूरी बनाने लगे। धीरे-धीरे उनको काम मिलना लगभग कम होता गया और उनका करियर ढगमगाने लगा। हालांकि विवेक ने कई बार पब्लिकली माफी भी मांगी, लेकिन हालात बेहतर नहीं हुए।

फिल्मों के ऑफर्स आना बंद हो गए, लेकिन विवेक ओबेरॉय ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने बिजनेस की ओर रुख किया और कई सालों की मेहनत के बाद उन्होंने खुद का साम्राज्य खड़ा कर लिया। इसके साथ ही विवेक ओबेरॉय ने दुबई और यूएई में भी बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्टमेंट किया है।

और घर का काम बोझ जैसा महसूस होने लगा। यह बताता है कि मेरेज ग्रेजुएशन आजादी तो देता है लेकिन इसके साथ अकेलेपन और भावनात्मक दूरी की चुनौती भी आती है। मेरेज ग्रेजुएशन के पॉपुलर होने की एक बड़ी वजह इसका नाम है। तलाक शब्द रिश्ते के टूटने और असफलता की छवि देता है। वहीं ग्रेजुएशन शब्द एक नई शुरूआत, नए लेवल और सकारात्मक बदलाव का अहसास कराता है। इसी वजह से समाज इसे तलाक की बजाय एक बेहतर और स्वीकार्य विकल्प मान रहा है। भारत जैसे देशों में, जहाँ तलाक को अब भी समाज बुरा मानता है, मेरेज ग्रेजुएशन एक बीच का रास्ता हो सकता है। कपल्स शादीशुदा रहते हुए भी अपनी-अपनी जिंदगी जी सकते हैं और परिवार की इज्जत भी बनी रहती है। हालाँकि यहाँ सामाजिक सोच इतनी आसानी से बदलेगी या नहीं, यह कहा नहीं जा सकता।

मेरेज ग्रेजुएशन किसी के लिए नई आजादी है तो किसी के लिए जिम्मेदारी से भागने जैसा। लेकिन सच यह है कि यह ट्रेंड दिखाता है कि शादी अब सिर्फ बंधन नहीं बल्कि साझेदारी मानी जा रही है। जापान में खासकर महिलाओं के लिए मेरेज ग्रेजुएशन राहत और स्वतंत्रता का विकल्प है। हालाँकि इसके साथ अकेलेपन की चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। फिर भी यह सच है कि मेरेज ग्रेजुएशन तलाक से बेहतर विकल्प बनकर लोगों को एक नया रास्ता दिखा रहा है।

हो जाती है।

गौरतलब है कि साहित्यांचल संस्था वर्षों से साहित्यकारों को मंच और सम्मान प्रदान कर रही है। संस्था का यह प्रयास साहित्यिक धारा को मजबूती देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भी प्रेरणा दे रहा है। दोनों साहित्यकारों ने चयन हेतु साहित्यांचल परिवार, निर्णायक मंडल और अपने सभी शुभचिंतकों का आभार प्रकट किया और इसे अपनी साहित्यिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

शिकार – बल्कि यथार्थ में दिखाया गया है कि कैसे देश को कभी-कभी राजनीतिक मजबूरियों के तहत नैतिक निर्णय लेने पड़ते हैं।

फिल्म की लेखनी बेहद संतुलित और प्रभावशाली है – ना जरूरत से ज्यादा ड्रामा, ना ही कोई भावनात्मक दिखावा रितेश शाह, आशीष वर्मा और बिंदनी करि आ ने एक ऐसी कहानी गढ़ी है जो राजनीति, भावना और यथार्थ के बीच बारीक संतुलन बनाकर चलती है। फिल्म का कैमरा वर्क काबिले तारीफ है। दिल्ली की भीड़भाड़ भरी गलियाँ, अबू धाबी की वीरान और तनाव से भरी लोकेशन्स – सबको रॉ और रियलिस्टिक लेंस से शूट किया गया है। बैकग्राउंड म्यूज़िक न लाउड, न भावनाओं से खिलवाड़ करता हुआ – बल्कि उतना ही जितना जरूरी है। यह म्यूज़िक कहानी को महसूस कराता है, हावी नहीं होता।फिल्म की लंबाई बिल्कुल परफेक्ट है। न कोई खिंचाव, न कोई बेमतलब की चीज। हर सीन अपनी बात कहकर आगे बढ़ जाता है।

‘तेहरान’ सिर्फ एक जासूसी या थ्रिलर फिल्म नहीं है। यह एक राजनीतिक कमेंट्री है, एक ऐसा आईना जो दिखाता है कि डिप्लोमेसी, रणनीति और जासूसी की असली कीमत आम लोग चुकाते हैं। यह फिल्म दिखाती है कि युद्ध सिर्फ सीमाओं पर नहीं लड़े जाते – असली लड़ाइयाँ उन कमरों में होती हैं जहाँ फैसले लिए जाते हैं। जब सरकारें पीछे हटती हैं, तो कभी-कभी एक ईमानदार अफसर अकेले मोर्चा संभालता है – यही इस फिल्म की आत्मा है। मैडॉक फिल्म्स और बेक माय केक फिल्मस् द्वारा निर्मित रतेहरानर एक फिल्म नहीं, एक अनुभव है – जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है, डराती है, और अंत में एक गहरी छाप छोड़ जाती है। यह उन फिल्मों में से है जो देखने के बाद भी आपके जहन में बनी रहती है।

बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार टीवी अभिनेता आशीष कपूर कौन हैं

नई दिल्ली। कई हिट हिंदी धारावाहिकों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर टेलीविजन अभिनेता आशीष कपूर को पुणे में बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी एक महिला की शिकायत के बाद हुई है कि आशीष ने अगस्त की शुरूआत में एक हाउस पार्टी के दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस के अनुसार, दिल्ली के सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में एफआ-ईआर दर्ज की गई थी।पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आशीष ने अगस्त के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में एक हाउस पार्टी के दौरान बाथरूम में उसके साथ मारपीट की थी। एफआईआर 11 अगस्त को दर्ज की गई थी, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी थी।

यह है मामला- अपनी शुरूआती शिकायत में, महिला ने कपूर, उसके दोस्त, दोस्त की पत्नी और दो अज्ञात व्यक्तियों का नाम लिया था। बाद में उसने अपने बयान में बदलाव करते हुए आरोप लगाया कि केवल कपूर ने ही उसके साथ मारपीट की। उसने दावा किया कि यह घटना घटनास्थल पर स्थित एक शौचालय के अंदर हुई थी। महिला ने आगे आरोप लगाया कि मारपीट का वीडियो भी रिकॉर्ड किया गया था, हालाँकि पुलिस ने कहा है कि अभी तक ऐसा कोई फुटेज बरामद नहीं हुआ है। उसने दोस्त की पत्नी पर शौचालय के बाहर उर-कि साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया। गौरतलब है कि इसी महिला ने पुलिस को सूचना देने के लिए पीर-ीआर कॉल की थी। जाँच अभी भी जारी है और प्राथमिकी में उल्लिखित अन्य व्यक्तियों के खिलाफ औपचारिक रूप से कोई आरोप नहीं लगाया गया है। इस मामले ने अभिनेता को कड़ी जाँच के घेरे में ला दिया है,

कनाडाई अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की आयु में निधन



डांसेस विद वुल्क्स' और 'मेवरिक' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध कनाडाई अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक निधन हो गया।[उनके प्रबंधक ने इसकी पुष्टि की। "डांसेस विद वुल्क्स" के ऑस्कर नामांकित व्यक्ति 73 वर्ष के थे।लंबी बीमारी के बाद उन्होंने टोरंटो के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली।सीबीसी न्यूज़ ने गेरी जॉर्डन के हवाले से कहा, "बेहद दुख के साथ हम पुरस्कार विजेता दिग्गज कनाडाई अभिनेता ग्राहम ग्रीन के शांतिपूर्ण निधन की घोषणा करते हैं।" गेरी जॉर्डन ने जानकारी देते हुए कहा, "बेहद दुख के साथ हम पुरस्कार विजेता और दिग्गज कनाडाई अभिनेता ग्राहम ग्रीन के शांतिपूर्ण निधन की घोषणा करते हैं। जिसमें बताया गया था कि ग्रीन का प्र-ाकृतिक कारणों से निधन हो गया। ग्रीन को केविन कॉस्टरन की 1990 की महाकाव्य वेस्टर्न फिल्म 'डांसेस विद वुल्क्स' में किकिंग बर्ड की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए अकादमी पुरस्कार नामांकन मिला था। इस भूमिका ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। ग्राहम ग्रीन के प्रबंधक ने सीबीसी न्यूज़ को बताया कि अभिनेता की मृत्यु "प्राकृतिक कारणों" से हुई और आने वाले दिनों में एक स्मरणोत्सव समारोह के बारे में जानकारी साझा की जाएगी। "वह नैतिकता, आचरण और चरित्र के धनी एक महान व्यक्ति थे और उनकी कमी हमेशा खलेगी। आप आखिरकार आजाद हो गए।सुसान स्मिथ स्वर्ग के द्वार पर आपसे मिल रही हैं," उनके एजेंट माइकल ग्रीन ने डेडलाइन को दिए एक बयान में कहा। स्मिथ, ग्रीन की पूर्व एजेंट थीं, जिसका अक्टूबर 2013 में निधन हो गया था। ग्राहम ग्रीन आदिवासी मूल के हैं, जिनका जन्म 22 जून 1952 को ओंटारियो (कनाडा) के सिक्स नेशंस रिजर्व में हुआ था।फिल्म उद्योग में आने से पहले उन्होंने कई छोटे-मोटे काम किए। थिएटर से शुरूआत करने के बाद, उन्होंने 1979 में टीवी शो "द ग्रेट डिटेक्टिव" से शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने 1983 में आई फि ल्म "रनिंग ब्रेव" से बड़े पर्दे पर कदम रखा। हालाँकि, "डांसेस विद वुल्क्स", जिसमें उन्होंने "किकिंग बर्ड" की भूमिका निभाई थी, उनकी हॉलीवुड में पहली बड़ी फि ल्म थी। इस भूमिका के लिए उन्हें 1991 में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था।इस फि ल्म को कुल बारह नामांकनों में से सात ऑस्कर मिले, जिनमें केविन कॉस्टरन के लिए सर्वश्रेष्ठ फि ल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार भी शामिल है। बाद में उन्होंने क्रि-स्टन स्टीवर्ट और रॉबर्ट पैट्रिंसन के साथ "द ट्वाइलाइट सागः न्यू मून" (2009), ब्रूस विलिस के साथ "डाई हार्ड विद अ वेंजेंस" (1995), टॉम हैंक्स के साथ "द ग्रीन माइल" (1999), और जेसिका चैस्टेन, इदरीस एल्बा और कॉस्टरन के साथ आरोन सॉर्किन की "मौलीज गेम" (2017) जैसी चर्चित फि ल्मों में अभिनय किया।

अपने पुरे करियर में, ग्रीन को ग्रैमी, जेमिनी और

कैनेडियन स्क्रीन पुरस्कार मिले।कनाडा के वॉक ऑफ फेम पर भी उनका एक सितारा अंकित है।जून में उन्हें

आजीवन उपलब्धि के लिए कैनेडियन गवर्नर जनरल का परफॉर्मिंग आर्ट्स पुरस्कार प्रदान किया गया।ग्रीन ने

जिस आखिरी फि ल्म पर काम किया, वह थ्रिलर आइस फॉल थी, जिसमें उन्होंने 'जोएल किन्मन' की भूमिका

निभाई थी।

जिससे उनका नाम यौन दुराचार के आरोपों में घिरी सा-इजनिक हस्तियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है। जैसे-जैसे जाँच जारी है, मनोरंजन उद्योग और उनके प्रशंसक, दोनों ही आरोपों पर और स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं।

ये हैं-आशीष कपूर

17 अक्टूबर 1984 को दिल्ली के

जन्मे कपूर ने एक दशक से भी

अधिक समय पहले अभिनय

में आने से पहले एक

इंटीरियर डिजाइनर के रूप में

अपना करियर शुरू किया था।

उन्होंने अपने अभिनय करियर

शुरूआत 'श्शश...फिर कोई है' (2010)' से की थी। इन वर्षों में, वह भारतीय टेलीविजन पर एक जाना-पहचाना चेहरा बन गए, उन्होंने 'चांद छुपा बादल में', 'लव मैरिज या ऑरेंज मैरिज', 'सात फेरे - सलोनी का सफर', 'सरस्वतीचंद्र', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'मोल्चकी - रिश्तों की अग्निपरीक्षा' और 'वो अपना सा' सहित लोकप्रिय धारावाहिकों में काम किया।

उनकी ब्रेकआउट भूमिका 'देखा एक ख्वाब' में उदयवीर सिंह (उदय) के रूप में आई, जहां मुख्य अभिनेता प्रियाल गोर के साथ उनकी केमिस्ट्री ने उन्हें व्यापक ध्यान आकर्षित किया। उनके निजी जीवन ने भी लगातार मीडिया का ध्यान खींचा है। कपूर ने 2021 में टीवी प्रोड्यूसर पर्ल प्रे से सगाई करने से पहले अपनी 'देखा एक ख्वाब' की को-स्टार प्रियाल गोर और अल्बानियाई मॉडल इल्डा क्रोनी को डेट किया था। इस जोड़े ने रमौत हमें जुदा न करेइ टैटू भी बनाया थे।एक साल बाद यह रिश्ता खत्म हो गया। सोशल मीडिया पर कभी सक्रिय रहने वाले कपूर ने अब अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक पंकज धर द्विवेदी द्वारा जनप्रकाशन प्रेस निकट रीड्स साहब का धर्मशाला से मुद्रित एवं 45, बादशाह बाग, जगन्नाथपुर, गोरखपुर से प्रकाशित।

संपादक: पंकज धर द्विवेदी

संपर्क सूत्र :

ghoonghatkibagawat37@gmail.com